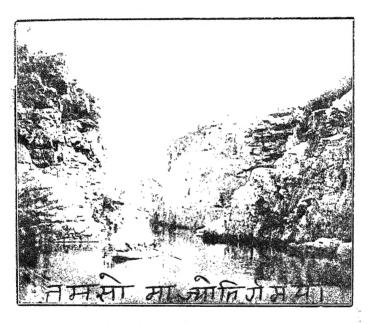
जनसुर-ज्योति



निशा गई त्राई उषा फैली ज्योति त्रकाश। उटहु भ्रात चल मींजक निरखहु किरण प्रकाश।।